Edu Junior
Where Passion Meets Educations

LEARN KWNIY
Where passion meets with educations

हिंदी व्याकरण

अध्याय

संज्ञा

learnkwniy

संज्ञा

जिस शब्द के द्‌वारा किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते हैं।

प्राणियों के नाम - नेहा , आयुष , ओजस्व , अंशु गाय , भैंस , कुत्ता , शेर आदि ।

स्थानों के नाम - दिल्ली , बनारस , इलाहाबाद , पटना , अमेरिका , चीन , जापान , जयपुर , मथुरा आदि ।

वस्तुओं के नाम - टीवी , कुरसी , पुस्तक , मोबाइल , फ्रीज़ आदि ।

भावों के नाम - सुंदरता , बुढ़ापा , मिठास , बदबू , बुढ़ापा आदि ।

learnkwniy

संज्ञा दो प्रकार की होती है-

(1) पदार्थ वाचक

(2) भाववाचक

जिस संज्ञा से किसी पदार्थ या पदार्थों के समूह का बोध होता है , उसे पदार्थवाचक संज्ञा कहते हैं , जैसे - राम , राजा , घोड़ा , कागज , काशी , सभा , भीड़ इत्यादि

पदार्थवाचक संज्ञा के दो भेद हैं-

(1) व्यक्तिवाचक और

(2) जातिवाचक ।

व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी एक ही पदार्थ व पदार्थों के एक ही समूह का बोध होता है ,उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं

जैसे - राम ,काशी ,गंगा ,महामंडल ,हितकारिणी इत्यादि ।

दुसरे शब्दों में

व्यक्तिवाचक संज्ञा - जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति , वस्तु स्थान या प्राणी का बोध कराते हैं ,वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं ।

जैसे- रजनीश ,लखनऊ ,गंगा ,हिमालय , कामायनी पूर्व दिशा ,दीपावली आदि ।

जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी जाति के संपूर्ण पदार्थों व उनके समूहों का बोध होता है ,उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं

जैसे - मनुष्य ,घर ,पहाड़ ,नदी ,सभा इत्यादि

दूसरे शब्दों में

learnkwniy

जातिवाचक संज्ञा - जो संज्ञा शब्द अपनी संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं ,उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं ।

जैसे- किसान ,मजदूर ,लेखक ,मोर ,गाय ,हाथी ,नदी ,पर्व ,पुस्तक ,शहर ,सैनिक , विद्‍यालय ,देश ,सड़क ,बगीचा ।

ये सभी शब्द किसी विशेष व्यक्ति ,वस्तु प्राणी या स्थान की ओर संकेत नहीं करते अपितु वे अपनी संपूर्ण जाति के लिए प्रयोग किए जाते हैं । ये सब जातिवाचक संज्ञा है ।

भाववाचक संज्ञा

भाववाचक संज्ञा -किस भाव, गुण, अवस्था या क्रिया के व्यापार का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं;

जैसे- मिठास, थकान, कड़वापन, बुढ़ापा, गरीबी, सजावट, शीतलता आदि।

दूसरे शब्दों में

भाववाचक संज्ञा- जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण ,दोष ,भाव ,दशा व्यापार या मन के भाव का बोध कराए . उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं ।

learnkwniy

जैसे - मानवता , मित्रता , प्यास , दया , अहिंसा , बुढ़ापा , मिठास , गरमी , सरदी , सुख - दुख , यौवन , बचपन आदि भाव है । इनका कोई मूर्त रूप या आकार नहीं होता , इन्हें केवल अनुभव किया जा सकता है । ये सभी भाववाचक संज्ञाएँ हैं ।

अंग्रेजी के प्रभाव से संज्ञा के दो और भेद स्वीकृत कर लिए गए हैं। ये हैं

- द्रव्यवाचक
- समूहवाचक संज्ञा

learnkwniy

द्रव्यवाचक संज्ञा - जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव्ये या पदार्थ का बोध होता है, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं;

जैसे- दूध, पानी, चाँदी, तेल, चावल।

समूहवाचक संज्ञा - जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति के व्यक्तियों के समूह का बोध होता है, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं;

जैसे- मेला, सभा, सेना, भीड़, झुंड, गिरोह आदि।